RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

अध्याय-1 | भाग-3



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 मानव भूगोल की विचारधाराएँ

2 अभ्यास प्रश्न



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल की विचारधाराएँ

नियतिवादी/ निश्चयवादी विचारधारा

प्रतिपादक : फ्रेडरिक रटजेल

प्रकृति श्रेष्ठ है।

मनुष्य प्रकृति का दास है।

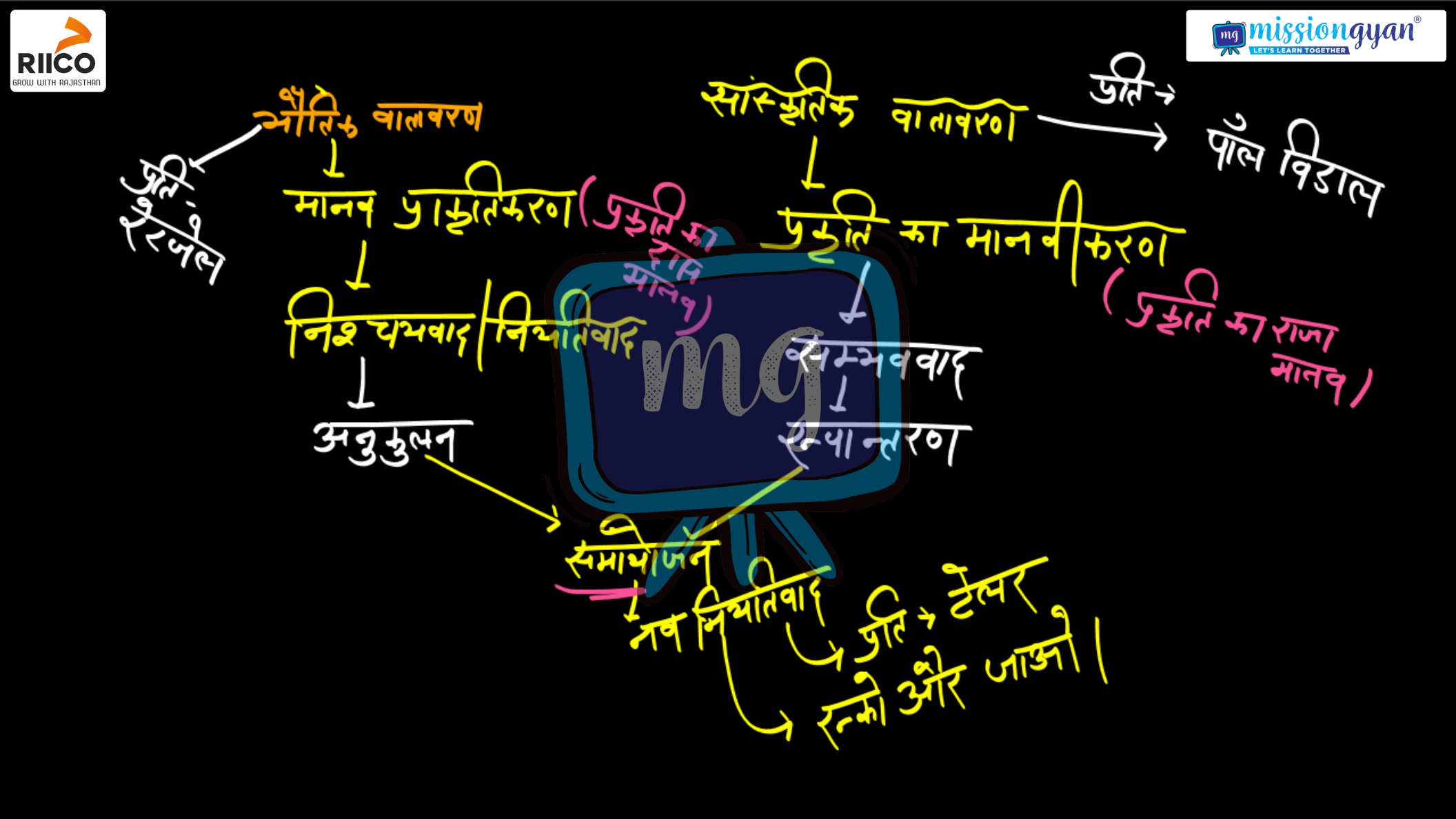
समर्थक : एलन सी. सेम्पल, हम्बोल्ट, कार्ल रिटर।

संभववादी विचारधारा

प्रतिपादक : पॉल विडाल डी. ला. ब्लाश मनुष्य प्रकृति का दास नहीं है।

प्रकृति में संभावनाएँ विद्यमान है।

समर्थक : फैब्रे, अल्बर्ट डिमंजिया, कार्ल सावर।


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
भौतिक वातावरण
प्रति → रैटजेल
मानव प्राकृतिकरण (प्रकृति का दास मानव)
निश्चयवाद/नियतिवाद
अनुकूलन
सांस्कृतिक वातावरण
प्रति → पॉल विडाल
प्रकृति का मानवीकरण (प्रकृति का राजा मानव)
सम्भववाद
रूपान्तरण
समायोजन
नव नियतिवाद
प्रति → टेलर
इन्हें और जानो।


mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नव-निश्चयवाद / रूको और जाओ निश्चयवाद :

प्रतिपादक – ग्रिफिथ टेलर



निश्चयवाद

संभववाद

मध्यम मार्ग

नव निश्चयवाद

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नव-निश्चयवाद की संकल्पना दर्शाती है कि न तो यहाँ नितांत आवश्यकता की स्थिति (पर्यावरणीय निश्चयवाद) है और न ही नितांत स्वतंत्रता (संभववाद) की दशा है।
- इसका अर्थ है कि प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।
- इसका तात्पर्य है कि उन सीमाओं में, जो पर्यावरण की हानि न करती हों, संभावनाओं को उत्पन्न किया जा सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

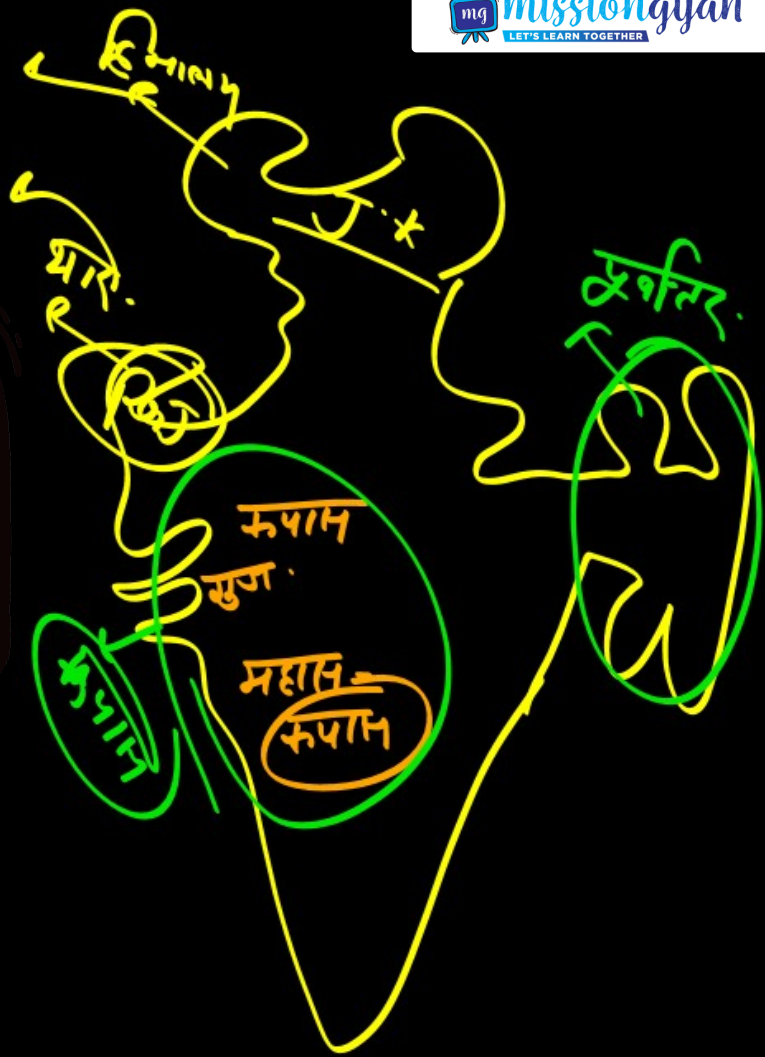
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समय के गलियारों से मानव भूगोल :

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
आरंभिक उपनिवेश युग	अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यी और व्यापारिक रुचियों ने नए क्षेत्रों में खोजों व अन्वेषणों को प्रोत्साहित किया। क्षेत्र का विश्वज्ञानकोषिय विवरण भूगोलवेताओं द्वारा वर्णन का महत्त्वपूर्ण पक्ष बना।
उत्तर उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण	प्रदेश के सभी पक्षों के विस्तृत वर्णन किए गए। मत यह था कि सभी प्रदेश पूर्ण अर्थात् पृथ्वी के भाग हैं, अत: इन भागों की पूरी समझ पृथ्वी पूर्ण रूप से समझने में सहायता करेगी।

mg

समय अवधि	स्थानिक	वृहत् लक्षण
अंतर-युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन	एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करने पर बल दिया जाता था।
1950 के दशक के अंत से 1960 के दशक के अंत तक	स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग के लिए विशिष्ट। मानचित्र और मानवीय परिघटनाओं के विश्लेषण में प्राय:, भौतिकी के नियमों का अनुप्रयोग किया जाता था। इस प्रावस्था को विभिन्न मानवीय क्रियाओं के मानचित्र योग्य प्रतिरूपों की पहचान करना इसका मुख्य उद्देश्य था।



समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय	मात्रात्मक क्रांति से उत्पन्न असंतुष्टि और अमानवीय रूप से भूगोल के अध्ययन के चलते मानव भूगोल में 1970 के दशक में तीन नए विचारधाराओं का जन्म हुआ। इन विचारधाराओं के अभ्युदय से मानव भूगोल सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ के प्रति अधिक प्रासंगिक बना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावादी भूगोल :

- कल्याणपरक विचारधारा
- सामाजिक कल्याण से संबंधित
- आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे पक्ष सम्मिलित



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जर्मनी

आमूलवादी (रेडिकल) विचारधारा :

- कार्लमार्क्स के सिद्धान्तों पर आधारित
- समकालीन समस्याओं का संबंध पूँजीवाद से मानती है।

व्यवहारवादी विचारधारा :

- प्रत्यक्ष अनुभव पर बल देती है।
- मानव जातीयता, प्रजाति, धर्म इत्यादि पर आधारित संवर्गो के दिक्काल बोध पर ज्यादा जोर दिया।

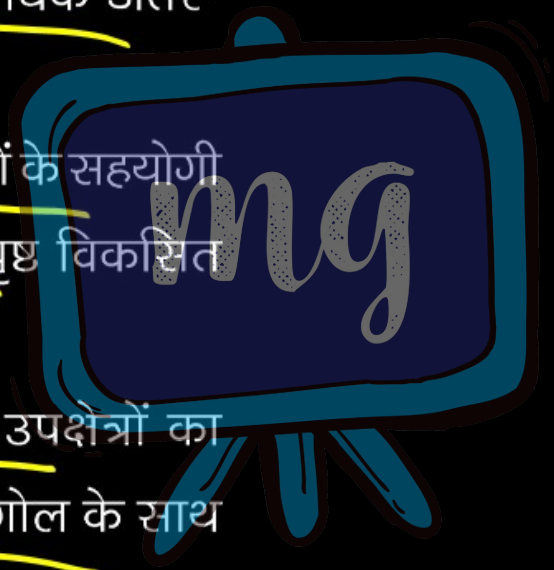
समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद	वृहत् सामान्यीकरण तथा मानवीय दशाओं की व्याख्या करने वाले वैश्विक सिद्धांतों की प्रयोज्यता पर प्रश्न उठने लगे। अपने आप में प्रत्येक स्थानीय संदर्भ की समझ के महत्त्व पर जोर दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

- मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है।
- मानव भूगोल सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करती है।
- ज्ञान के विस्तार के साथ नए उपक्षेत्रों का विकास होता है और मानव भूगोल के साथ भी ऐसा ही हुआ।



मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
सामाजिक भूगोल	–	सामाजिक विज्ञान – समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानवविज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान
नगरीय भूगोल	–	नगरीय अध्ययन और नियोजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासकों से अंतरा पृष्ठ
राजनीतिक भूगोल	–	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	–
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	–	जनांकिकी
आवास भूगोल		नगर/ग्रामीण नियोजन
आर्थिक भूगोल	–	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए :

(i) निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक भूगोल का वर्णन नहीं करता?

क. समाकलनात्मक अनुशासन

ख. मानव और पर्यावरण के बीच अंतर-संबंधों का अध्ययन।

ग. द्वैधता पर आश्रित

घ. प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं। 1

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?

क. यात्रियों के विवरण

ख. प्राचीन मानचित्र

ग. चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने

घ. प्राचीन महाकाव्य



(iii) निम्नलिखित में कौन-सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?

क. मानव बुद्धिमता

ख. प्रौद्योगिकी

ग. लोगों के अनुभव

घ. मानवीय भाईचारा



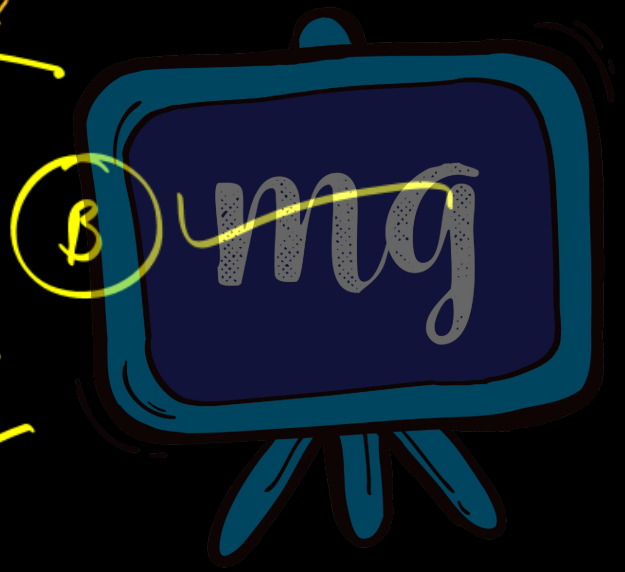
(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?

क. क्षेत्रीय विभिन्नता

ख. मात्रात्मक क्रांति

ग. स्थानिक संगठन

घ. अन्वेषण और वर्णन

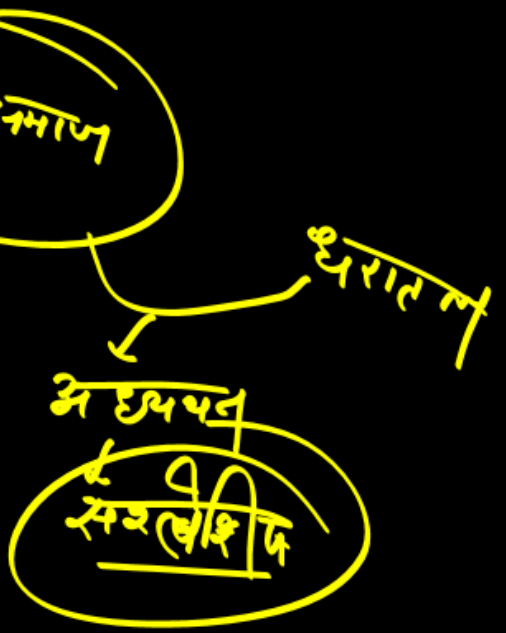


2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।

उत्तर : रैटजेल के अनुसार, " मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।"

इस प्रकार "मानव भूगोल वह विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत मनुष्य और उनके भौतिक वातावरण के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है।"



(ii) मानव भूगोल के कुछ उप-क्षेत्रों के नाम बताइए।

उत्तर : व्यवहारवादी भूगोल, सामाजिक कल्याण का भूगोल, सांस्कृतिक भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल, चिकित्सा भूगोल, सैन्य भूगोल, कृषि भूगोल, उद्योग भूगोल, विपणन भूगोल, पर्यटन भूगोल तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल आदि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) मानव भूगोल किस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंधित है?

उत्तर : मानव भूगोल के अन्तर्गत प्राकृतिक वातावरण के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययन को प्रधानता दी जाती है। मानव भूगोल का उन सभी सामाजिक विज्ञानों से स्वत: सम्बन्ध हो जाता है, जो अपने अध्ययनों में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययनों को प्रधानता देते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव के प्राकृतीकरण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : मनुष्य अपने भौतिक पर्यावरण से अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से ही अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी ही किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। मानव प्रकृति के नियमों को बेहतर ढंग से समझने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास कर पाया।

- प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है तथा प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।



(ii) मानव भूगोल के विषय क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : मानव भूगोल, मानव जीवन के सभी तत्वों तथा अंतराल, जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है। पृथ्वी तल पर पाये जाने वाले मानवीय तत्वों को समझने व उनकी सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
सामाजिक भूगोल	–	सामाजिक विज्ञान – समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानवविज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान
नगरीय भूगोल	–	नगरीय अध्ययन और नियोजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासनों से अंतरा पृष्ठ
राजनीतिक भूगोल	–	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	–
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	–	जनांकिकी
आवास भूगोल		नगर/ग्रामीण नियोजन
अर्थिक भूगोल	–	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्नलिखित प्रमुख तथ्यों को मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया जाता है–

(i) मानव भूगोल का अर्थ, उद्देश्य, अध्ययन क्षेत्र, सिद्धान्त, अध्ययन उपागम एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।

(ii) प्राकृतिक वातावरण के विभिन्न तत्वों का अध्ययन तथा मानव क्रियाकलापों पर इन तत्वों का प्रभाव आदि।

(iii) जनसंख्या घनत्व, वितरण, वृद्धि, संरचना एवं समस्याएँ आदि।

(iv) जनसंख्या घनत्व, वितरण वृद्धि, संरचना एवं समस्याएँ आदि।

(v) मानव अधिवास—ग्रामीण व नगरीय अधिवास प्रतिरूप, प्रकार, परिवहन के साधन आदि।

(vi) मानव की अर्थव्यवस्थाएँ—ऐतिहासिक विकास, प्रकार एवं विश्व वितरण आदि।